سُورَةُ النَّصۡرِ مَدَنِيَّةٌ

सूरह नस्र मदीना में उतारी गई (नाजिल हुई)

بِسۡمِ اللّٰهِ الرَّحۡمٰنِ الرَّحِيۡمِ ○

आरंभ (शुरू) अल्लाह के नाम से जो अत्यंत दयावान, निरंतर (असीम) दयाशील है।

اِذَا جَآءَ نَصۡرُ اللّٰهِ وَالۡفَتۡحُ ۙ (1)

(हे नबी ﷺ!) जब अल्लाह की सहायता और विजय (फ़तह) आ पहुंचे।

وَرَاَيۡتَ النَّاسَ يَدۡخُلُوۡنَ فِىۡ دِيۡنِ اللّٰهِ اَفۡوَاجًا ۙ (2)

और तुम देखो, लोगों को सेना के सेना (झुंड / समूह में) अल्लाह के दीन (धर्म) में प्रवेश करते हुए।

فَسَبِّحۡ بِحَمۡدِ رَبِّكَ وَاسۡتَغۡفِرۡهُ ؕ

तो अपने पालनहार (रब) की प्रशंसा (स्तुति) के साथ तस्बीह (महिमा, पवित्रता वर्णन) करो, और (उससे) क्षमा मांगो।

اِنَّهٗ كَانَ تَوَّابًا ۘ (3)

निसंदेह वो पश्चाताप (क्षमा / तौबा) स्वीकार करने वाला है।